



GOVERNMENT OF INDIA

Chandigarh Administration Gazette

Published by Authority

No. 138] CHANDIGARH, TUESDAY, OCTOBER 01, 2024 (ASVINA 09, 1946 SAKA)

चंडीगढ़ प्रशासन
गृह विभाग
अधिसूचना

चंडीगढ़ 21 मई, 2024

संख्या 10656-आईएच(8)-न्यायिक-2024/6628.— परिवार न्यायालय अधिनियम, 1984 (केंद्रीय अधिनियम संख्या 66, 1984) की धारा 23 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के साथ पठित, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा जारी अधिसूचना संख्या एस.ओ.1085, दिनांक 05.03.2024 तथा इस संबंध में उन्हें सक्षम करने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्रशासक, केन्द्र शासित प्रदेश, चंडीगढ़, पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के परामर्श से, यहाँ पर संघ राज्य क्षेत्र चंडीगढ़ में पारिवारिक न्यायालयों के कामकाज को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्: -

- संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारंभ.-** (1) इन नियमों को संघ राज्य क्षेत्र चंडीगढ़ परिवार न्यायालय नियम, 2024 कहा जाएगा।
(2) ये नियम परिवार न्यायालय अधिनियम, 1984 के अधीन चंडीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र में गठित परिवार न्यायालयों पर लागू होंगे।
(3) ये नियम संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन, चंडीगढ़ के आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।
- परिभाषा.-** (1) इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो-
(क) "अधिनियम" से परिवार न्यायालय अधिनियम, 1984 अभिप्रेत है;
(ख) "सरकार" से तात्पर्य संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन, चंडीगढ़ से है।
(ग) "सरकारी सेवा" से तात्पर्य संघ सरकार, राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, सरकारी उद्यमों और स्वायत्त निकायों (किसी सरकार द्वारा पूर्णतः वित्तपोषित) के अधीन सेवा से है।
(घ) "पारिवारिक न्यायालय" से आशय पारिवारिक न्यायालय अधिनियम, 1984 के अन्तर्गत गठित न्यायालय से है।
(ई) "उच्च न्यायालय" से तात्पर्य चंडीगढ़ स्थित पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय से है।
(च) "संस्था" और "संगठन" से तात्पर्य सामाजिक कल्याण में संलग्न किसी संस्था या संगठन से है जो सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत पंजीकृत है।
(छ) "न्यायिक अधिकारी" से तात्पर्य पंजाब वरिष्ठतम न्यायिक सेवा/हरियाणा वरिष्ठतम न्यायिक सेवा के अधिकारी से है।

Signature Not Verified
Digitally signed by
Jalinder Kumar
Date: 2024.10.01
16:07:58 IST
Reason: Published
Location:

(2167)

This is Digitally Signed Gazette. To verify, visit :

<https://egazette.chd.gov.in>

(ज) 'न्यायाधीश' से अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त न्यायाधीश अभिप्रेत है तथा इसमें परिवार न्यायालय का प्रधान न्यायाधीश या अपर प्रधान न्यायाधीश भी शामिल है।

(झ) "मान्यता प्राप्त विशेषज्ञ" से तात्पर्य ऐसे व्यक्ति से है जो परिवार/समाज कल्याण, चिकित्सा हस्तलेखन या किसी ऐसे क्षेत्र में विशेष रूप से कुशल हो जो पारिवारिक मामले को सुलझाने के लिए उपयुक्त हो।

(2) इन नियमों में प्रयुक्त किन्तु इसमें परिभाषित नहीं किए गए अन्य सभी शब्दों और अभिव्यक्तियों का वही अर्थ होगा जो उन्हें परिवार न्यायालय अधिनियम, 1984 या सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 में दिया गया है।

(3) परिवार न्यायालय के न्यायाधीश की सेवा शर्तें- (1) न्यायिक अधिकारी से भिन्न कोई न्यायाधीश, अपने पद ग्रहण की तिथि से तीन वर्ष की अवधि तक या बासठ वर्ष की आयु प्राप्त करने तक, जो भी पहले हो, अपने पद पर रहेगा।

(2) न्यायाधीश के रूप में नियुक्त न्यायिक अधिकारी उन सभी वेतन और भत्तों का हकदार होगा जो चंडीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र में अन्य न्यायिक अधिकारियों को प्राप्त हैं।

(3) न्यायिक अधिकारी के अलावा अन्य न्यायाधीश के पद की शर्तें और निबंधन वही होंगे जो सरकार द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

(4) न्यायाधीश सुलह कार्यवाही के दौरान मुकदमा लड़ने वाले पति/पत्नी और उनके बच्चों को जलपान उपलब्ध करवाने के लिए प्रति वर्ष बीस हजार रुपये तक का व्यय कर सकेगा।

4. समाज कल्याण संगठन का संगम- (1) परिवार न्यायालय किसी संस्था या संगठन या उसके प्रतिनिधि, परिवार के कल्याण को बढ़ावा देने में पेशेवर रूप से लगे किसी व्यक्ति, समाज कल्याण के क्षेत्र में काम करने वाले किसी व्यक्ति या किसी अन्य व्यक्ति की सहायता ले सकेगा, जिसकी संगति से परिवार न्यायालय इस अधिनियम के उद्देश्यों के अनुसार अपने अधिकार क्षेत्र का अधिक प्रभावी ढंग से प्रयोग करने में समर्थ होगा।

(2) ऐसी सहबद्ध संस्था(ओं), संगठन(ओं) या व्यक्ति(ओं) का कर्तव्य सुलह को बढ़ावा देने तथा विवादों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करने में परिवार न्यायालय की सहायता करना होगा।

(3) परिवार न्यायालय को सेवा प्रदान करने के लिए, यथास्थिति, ऐसी संस्था(एं), संगठन(संगठन) या व्यक्ति(व्यक्तियों) को सामान्य यात्रा भत्ते आदि के अतिरिक्त, प्रत्येक मामले या कार्यवाही के लिए एक सौ रुपये की एकमुश्त फीस प्राप्त करने का अधिकार होगा।

(4) ऐसी संस्था(एं), संगठन(संगठन) या व्यक्ति(व्यक्तियों), जैसी भी स्थिति हो, परिवार न्यायालय के निर्देश के अनुसार उनके द्वारा वास्तव में उपगत राशि प्राप्त करने के भी हकदार होंगे।

(5) पारिवारिक न्यायालय, विवादों के समाधान, निपटारे आदि के लिए या प्रयास करने के उद्देश्य से, उपर्युक्त किसी संस्था, संगठन या व्यक्ति को यात्रा या यात्राओं के लिए कह सकता है, जिसे न्यायालय आवश्यक समझे।

(6) उपर्युक्त उप-नियमों में निर्दिष्ट यात्राओं के लिए सामान्य परिवहन साधन सार्वजनिक बस, संघ राज्य परिवहन बस, रेलवे आदि जैसे सामान्य उपलब्ध परिवहन साधन होंगे, बशर्ते कि यदि कोई लोक सेवक/सरकारी अधिकारी सामाजिक या परिवार कल्याण में लगा हुआ है, तो वह अपनी सेवा के ग्रेड के अनुसार ऐसे लोक सेवक/सरकारी अधिकारी पर लागू प्रासंगिक नियमों में निर्धारित तरीके तथा अन्य तरीकों से यात्रा भत्ता प्राप्त करने का हकदार होगा।

बशर्ते, विशेष मामले में परिवार न्यायालय परिवहन के किसी विशेष तरीके की अनुमति दे सकता है, जैसा वह उचित समझे।

- 5. परिवार न्यायालयों के कर्मचारियों की नियुक्ति.-** (1) परिवार न्यायालय की सहायता के लिए निम्नलिखित कर्मचारी उपलब्ध कराए जा सकेंगे, अर्थात्: -
- | | | |
|-----|---|-----|
| 1. | अधीक्षक ग्रेड-I (मुख्य प्रशासनिक अधिकारी) - 1 | |
| 2. | रीडर ग्रेड - I | - 1 |
| 3. | स्टेनोग्राफर ग्रेड-I | - 1 |
| 4. | स्टेनोग्राफर ग्रेड-II | - 1 |
| 5. | स्टेनोग्राफर ग्रेड-III | - 1 |
| 6. | वरिष्ठ सहायक | - 2 |
| 7. | अनुवादक | - 1 |
| 8. | क्लर्क | - 3 |
| 9. | अहलमद | - 1 |
| 10. | कॉपी क्लर्क | - 1 |
| 11. | अशर | - 1 |
| 12. | चपरासी | - 6 |
| | कुल = 20 | |
- (2) कर्मचारियों की नियुक्ति, संबंधित नियुक्ति प्राधिकारियों द्वारा ऐसे कर्मचारियों पर लागू भर्ती नियमों के अनुसार की जाएगी।
- (3) पारिवारिक न्यायालयों के कर्मचारियों की सेवा की शर्तें वही होंगी जो समय-समय पर जिला न्यायालय, संघ राज्य क्षेत्र, चंडीगढ़ के कर्मचारियों पर लागू होती हैं।
- (4) स्टेनोग्राफर ग्रेड -II और दो चपरासी परामर्श केन्द्र के लिए होंगे तथा स्टेनोग्राफर ग्रेड -III और दो चपरासी, कार्यालय के लिए होंगे।
- (5) परिवार न्यायालय का प्रधान न्यायाधीश इस नियम के उपनियम (1) में निर्दिष्ट स्टाफ का नियुक्ति एवं नियंत्रण प्राधिकारी होगा।
- 6. परामर्श केन्द्र.-** (1) प्रत्येक परिवार न्यायालय या परिवार न्यायालयों के समूह के साथ एक परामर्श केन्द्र होगा जिसे "परामर्श केन्द्र" के नाम से जाना जाएगा।
- (2) परामर्श केन्द्र परिवार न्यायालय परिसर में तथा/या ऐसे अन्य स्थान पर स्थापित किए जाएंगे, जैसा उच्च न्यायालय निर्देशित करे।
- (3) परामर्श केन्द्र में परामर्शदाताओं की उतनी संख्या होगी जितनी उच्च न्यायालय समय-समय पर निर्धारित करेगा।
- (4) परामर्श केन्द्र को ऐसे सहायक कर्मचारी उपलब्ध कराए जाएंगे, जैसा कि उच्च न्यायालय द्वारा इसके दिन-प्रतिदिन के कार्यकरण के लिए निर्धारित किया जाएगा।
- 7. परामर्शदाताओं का पैनल बनाना या हटाना.-** (1) परामर्शदाताओं के पैनल को पारिवारिक न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश की संस्तुति पर उच्च न्यायालय द्वारा तीन वर्ष की अवधि के लिए अनुमोदित किया जाएगा। परामर्शदाताओं का कार्यकाल पारिवारिक न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश की संस्तुति पर, उच्च न्यायालय के द्वारा समय-समय पर बढ़ाया जा सकता है। उच्च न्यायालय को परामर्शदाताओं के पैनल की संस्तुति करने में, पारिवारिक न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश, संबंधित जिला एवं सत्र न्यायाधीश की सहायता ले सकते हैं।

(2) परामर्शदाता(ओं) का नाम पारिवारिक न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश की सिफारिश पर कार्यकाल की समाप्ति से पहले किसी भी समय उच्च न्यायालय द्वारा बिना किसी पूर्व सूचना के पैनल से हटाया जा सकता है।

8. **परामर्शदाता के रूप में सूचीबद्ध होने के लिए योग्यताएं** - एक व्यक्ति जिसने 35 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली है तथा जिसने किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री प्राप्त की है, अधिमानतः सामाजिक विज्ञान/समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, नैदानिक मनोचिकित्सा या कानून में से एक विषय के रूप में और सामाजिक कार्य/कल्याण के क्षेत्र में कम से कम दो साल का अनुभव है या वह परिवार कल्याण या महिलाओं व बच्चों की समस्याओं के क्षेत्र में सरकारी विभागों, कॉलेज, विश्वविद्यालय या इसी तरह के शैक्षणिक संस्थान में क्षेत्रीय कार्य, अनुसंधान या शिक्षण से जुड़ा हुआ है, वह परामर्शदाता के रूप में सूचीबद्ध होने के लिए पात्र होगा।
9. **परामर्शदाताओं को मानदेय का भुगतान.**- (1) परामर्शदाता को प्रत्येक मामले के लिए उचित स्तर पर (विशेषकर परामर्श प्रक्रिया के बाद न्यायालय को रिपोर्ट प्रस्तुत करने पर) प्रति बैठक 1200/- रुपए का मानदेय दिया जाएगा, जिसका निर्णय पारिवारिक न्यायालय के न्यायाधीश द्वारा किया जाएगा, जो अधिकतम पांच बैठकों के अधीन होगा।
 (2) प्रत्येक सुलह किए गए मामले के लिए, परामर्शदाता को पारिवारिक न्यायालय द्वारा अंतिम आदेश पारित करने के पश्चात 10,000/- रुपए का मानदेय दिया जाएगा। 10,000/- रुपए के मानदेय में इस नियम के उप-नियम (1) के अंतर्गत भुगतान किया गया मानदेय, यदि कोई हो, शामिल होगा।
 (3) जहां विवाद का विषय मानदेय के भुगतान के प्रयोजन के लिए एक ही पक्षकारों के बीच दो या अधिक मामलों से मिलकर बना हो, वहां उसे एक मामला माना जाएगा।
 (4) परामर्शदाता(ओं) को देय मानदेय समय-समय पर उच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित किए जाने पर पुनरीक्षणीय होगा, किन्तु यह अवधि पांच वर्ष से अधिक नहीं होगी और यदि पांच वर्ष के भीतर ऐसा कोई निर्धारण नहीं होता है, तो इस नियम की अधिसूचना की तारीख से ऐसे पांच वर्ष पूरे होने पर मानदेय में उपरोक्त दर से 20% की वृद्धि हो जाएगी।
10. **विशेषज्ञ की राय.**- (1) जब कभी परिवार न्यायालय इसे ठीक और आवश्यक समझे या जब कभी सुरक्षित निष्कर्ष के उद्देश्यों के लिए कोई उचित अवसर उत्पन्न हो, तो परिवार न्यायालय अपनी इच्छा से या स्वयं के विवरण पर भी, चिकित्सा और हस्तलेख विशेषज्ञ सहित किसी मान्यता प्राप्त विशेषज्ञ की राय ले सकता है।
 (2) यदि परिवार न्यायालय ऐसा करना उचित व त्वरित समझे तो वह किसी विशेषज्ञ का साक्ष्य ले सकता है
 (3) चिकित्सा विशेषज्ञ या ऐसे व्यक्ति को, चाहे वह पक्षकारों से संबंधित हो या न हो, जिसमें ऐसे व्यक्ति भी शामिल हैं जो परिवार के कल्याण को बढ़ावा देने में पेशेवर रूप से लगे हुए हैं, जिनकी सेवाएं अधिनियम की धारा 12 के तहत सुरक्षित हैं, प्रति रेफरल विजिट एक हजार पांच सौ रुपये की दर से फीस और खर्च का भुगतान किया जाएगा। रेफरल मामलों के संबंध में किसी एक दिन में चिकित्सा और अन्य विशेषज्ञ की कुल फीस और खर्च तीन हजार रुपये से अधिक नहीं होंगे। ऐसे किसी विशेषज्ञ की राय प्राप्त करने में होने वाले खर्च या ऐसे विशेषज्ञों की जांच करने में होने वाले खर्च को परिवार न्यायालय द्वारा, संघ शासित प्रदेश चंडीगढ़ द्वारा उसे आवंटित निधि से वहन किया जाएगा।

बशर्ते कि जब कभी ऊपर उल्लिखित विशेषज्ञ लोक सेवक हो, तो परिवार न्यायालय न्यायिक न्यायालयों द्वारा जारी किए गए न्यायालय प्रमाणपत्र को ऐसे साक्षियों को जारी करेगा जो लोक सेवक या सरकारी अधिकारी हैं।

जो विशेषज्ञ पहले से ही सरकारी सेवा में हैं, उन्हें अपनी राय के लिए कोई पारिश्रमिक पाने का अधिकार नहीं होगा तथा वे पारिवारिक न्यायालय की सहायता करने के लिए कर्तव्यबद्ध होंगे।

(4) मान्यता प्राप्त विशेषज्ञों का एक पैनल होगा और यह पैनल उच्च न्यायालय द्वारा तैयार और अनुरक्षित किया जाएगा।

परन्तु जब कभी उपर्युक्त पैनल में शामिल न किए गए किसी अन्य विशेषज्ञ की राय लेने का अवसर आए, तो परिवार न्यायालय को उच्च न्यायालय का अनुमोदन प्राप्त करना होगा।

11. **न्याय मित्र को मानदेय :-** अधिनियम की धारा 13 के तहत, न्याय मित्र के रूप में नियुक्त कानूनी व्यवसायी, कानूनी सहायता वकील को स्वीकार्य दरों, या जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालतों में उपस्थित होने के लिए, पारिवारिक न्यायालय द्वारा निर्धारित दरों पर मानदेय पाने के हकदार होंगे।
12. **निधि का सृजन :-** (1) सरकार मानदेय के भुगतान के लिए प्रत्येक जिले के पारिवारिक न्यायालयों के लिए अलग से निधि बनाएगी।
(2) परिवार न्यायालय का प्रधान न्यायाधीश मानदेय वितरित करने के लिए सक्षम प्राधिकारी होगा।
13. **व्याख्या: -** यदि इन नियमों की व्याख्या के संबंध में कोई प्रश्न उठता है तो उसका निर्णय प्रशासक, संघ राज्य क्षेत्र, चंडीगढ़ द्वारा किया जाएगा।

चंडीगढ़, दिनांक
21.05.2024

नितिन कुमार यादव, आईएएस,
गृह सचिव,
चंडीगढ़ प्रशासन।

CHANDIGARH ADMINISTRATION
ENGINEERING DEPARTMENT

Notification

The 18th September, 2024

No. 08.—The Adviser to the Administrator, Union Territory, Chandigarh on the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-A) held on 11.09.2024 in Union Public Service Commission, New Delhi as well as in terms of Rules called “Sub Divisional Engineer (Public Health) in Building and Road Wing of the Engineering Department, UT, Chandigarh as amended vide Notification dated 24.06.2020 is pleased to promote S/Shri Surinder Kumar and Bimal Joshi, Junior Engineer (Public Health) to the next grade of Sub Divisional Engineer (Public Health) in the Building and Road Wing of the Engineering Department, Chandigarh on regular basis in the Pay Scale of Rs.15600 39100+5400(Grade Pay)(level-10 in Pay Matrix of 7th CPC) with immediate effect. The promotion of S/Shri Surinder Kumar and Bimal Joshi, Junior Engineer (Public Health) as Sub Divisional Engineer (Public Health) will be subject to the following terms and conditions:

- (i) they will be on probation for the period of two years from the date of their joining.
- (ii) to completion of induction training by an institute designated by the department in the field relevant to duties or responsibilities of the post and such training shall be an essential part of successful completion of probation period for promotion.

Provided that officer/person who are due to retire within two years will be exempted from completion of such training for promotion.

Further on promotion S/Shri Surinder Kumar and Bimal Joshi shall remain posted at their present place of posting i.e Sub Divisional Engineer, Water Supply Sub Division No.6 (Mtc.) and Water Supply Sub Division No.2, respectively under Executive Engineer, Public Health Division No.3, UT, Chandigarh.

(FOR & ON BEHALF OF ADVISER TO THE
ADMINISTRATOR, UT., CHANDIGARH)

(Sd.) . . .,

Executive Engineer (W&E),
for Chief Engineer, UT, Chandigarh.

CHANDIGARH ADMINISTRATION
FINANCE DEPARTMENT
ESTATE BRANCH-II

Notification

The 30th September, 2024

No. 10/3/2-UTFI(I)/2024/15141.— In supersession of the Chandigarh Administration, Finance Department Notification No. 10/3/2-UTFI(1)-2024/10207, dated 04.07.2024 & in pursuance of order bearing No. 22/1/182-IH(4)-2024/13042 dated 11.09.2024 issued by the Department of Personnel, Chandigarh Administration and in exercise of the powers conferred under Sub Section (e) of Section 2 of the Capital of Punjab (Development and Regulation) Act, 1952, the Administrator, Union Territory, Chandigarh is pleased to appoint Sh. Mandip Singh Brar, IAS, Secretary Estate, Chandigarh Administration as Chief Administrator to perform the functions of the Chief Administrator, under the said Act, with immediate effect.

Chandigarh :
The 26th September, 2024.

Administrator,
Union Territory, Chandigarh.

CHANGE OF NAME

I, Ajay Kumar Upadhyay, S/o Dina Nath Upadhyay, # 70, Village Behlana, Chandigarh, have changed my name to Ajay Upadhyay.

[1470-1]

I, Ajay Kumar Upadhyay, S/o Dina Nath Upadhyay, # 70, Village Behlana, Chandigarh, have changed the name of my daughter's from Anshika Upadhyay to Anshika.

[1471-1]

I, Sunita Devi, W/o Kailash, R/o # 994, Phase-2, Ram Darbar, Chandigarh, have changed my name to Sunita.

[1472-1]

I, Harkesh Kumar, S/o Lachman Dass, # 3102, Sector 32-D, Chandigarh, have changed my name to Rakesh Kumar.

[1473-1]

I, Purushotham Narayan, S/o Venkatesh Narayan, R/o House No. 2251-A, AWHO, Sector 47-C, Chandigarh, have changed my name from Purushotham Narayan to Nivaan Purshootam Narayan.

[1474-1]

I, Rakesh Gupta, S/o Ved Prakash Gupta, R/o 1290, Sector 19-B, Chandigarh, have changed my minor son's name Mukul to Mukul Gupta.

[1475-1]

"No legal responsibility is accepted for the contents of publication of advertisements/public notices in this part of the Chandigarh Administration Gazette. Persons notifying the advertisements/ public notices will remain solely, responsible for the legal consequences and also for any other misrepresentation etc. "